ISSN 0973-144X

भा.ला.अनु.सं. ILRI

लाख समाचार-पत्रिका Lac NEWSLETTER

वर्ष 8 (4) अक्टूबर-दिसम्बर, 2004 Vol. 8 (4) OCT. - DEC. 2004

निदेशक की कलम से From the Director's Desk

अच्छी गुणवत्ता की चौरी के लिए उन्नत प्रसंस्करण अति आवश्यक

'टहनियों (लाख की टहनी) से हाथ द्वारा या चाकु/हँसिया से खुरचकर अलग की गई लाख पपड़ी को यष्टि लाख कहते हैं। किसान लाख को इसी रूप में बाजार में निर्माताओं या उनके अभिकर्त्ताओं को बेचने के लिए लाते है। यष्टि लाख को यथासंभव दलकर, छानकर, चुनकर एवं पानी से धोकर इससे लकड़ी, पत्थर, बालु इत्यादि अलग किया जाता है तथा प्राप्त अर्द्धपरिष्कृत उत्पाद को चौरी कहते हैं। चौरी के दानों में लगभग 5% अशुद्धियां होती है। भारतीय मानक विशिष्टता (आई एस : 15–1973) के अनुरूप विशेष एवं 'ए' श्रेणी के चपड़े में नमी 2.5%, रंग सूचक 8–10 तथा गर्म अल्कोहल में अधिकतम 3–4% घुलनशील पदार्थ हो सकते हैं। प्रसंस्करण में समय के अनुपालन एवं कुछ सावधानियों के साथ यष्टि लाख को अच्छी गुणवत्ता के चपड़े के रूप में परिष्कृत करना संभव है। ध्यान देने योग्य कुछ सुझाव/उपाय निम्नवत हैं–

(1) लाख की परिपक्व फसल की कटाई करें, (2) टहनियों पर लाख के सुखने या फुंकी हटाने पर यानि कटाई के 15–20 दिन बाद तुरन्त खुरचना, (3) चौरी प्राप्त करने के लिए यथाशीघ्र यष्टि लाख का प्रसंस्करण, (4) दलने, धोने, सुखाने एवं चुनने के लिए उन्नत मशीन/उपकरण का उपयोग। रंग के अंश को हटाने हेतु अच्छी तरह धुलाई के लिए विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पड़ती है तथा सुखाने के लिए सीधे धूप का इस्तेमाल न्यूनतम हो, (5) इसकी पैकिंग हवादार थैले में हो तथा भंडारण भी हवादार जगह पर होना चाहिए। इस रूप में अगर लाख को रखा जाए तो लगभग एक वर्ष तक इसमें कोई मात्रात्मक या गुणात्मक क्षति नहीं होती है।

प्रसंस्करण के अतिरिक्त परिपालक वृक्ष (जैसे कुसुम, पलाश, बेर इत्यादि), कीट

Improved Processing Essential for Quality Seedlac

Lac encrustation separated from the twigs (lac sticks) either by breaking off by hand or scraping with knife or sickle is known as stick lac. It is in this form cultivatiors bring it to market for sale either to manufacturers or to their agents. Removing sticks, stones, sand etc. as far as possible by crushing, sieving, winnowing and washing with water yields the semi-refined product known as seed lac. The adhering impurities on the grains of seedlac amount to about 5%. Indian Standard Specifications (IS:15-1973) permits 3-4% matter insoluble in hot alcohol, colour Index of 8-10, and moisture of 2.5% for special and 'A' grade seedlac. With some care and timeliness of processing, it is possible to refine stick lac to quality seedlac.

Some of the suggested measures that need to be taken care are - i) harvest mature lac crop, ii) scrape the lac sticks soon after drying or *phunki* removal *i.e.* 15-20 days after harvest, iii) process stick lac as early as possible to obtain seedlac, iv) use improved machines/equipments for crushing, washing, drying and winnowing. Special care be taken to carry out effective washing to remove dye content and drying to have minimum direct exposure to sun, v) pack in aerated package and store in well ventilated area. It is in this form that lac could be stored for about a year withour any appreciable qualitative or quantitative loss. Besides processing, quality also depends upon host tree (such as *kusum*, *palas*, *ber* etc.), insect strain (such as *kusmi* or *rangeeni*), harvesting season (such as summer

इस अंक में .....

अनुसंधान उपलब्धियाँ
- लाख कीट के लिए गुजरात का सर्वेक्षण
- भारतीय लाख के तुलनात्मक फायदे
- कम्पोजिट बोर्ड एवं नाखून पॉलिश – प्रारम्भिक निष्कर्ष

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण
- दिये गए प्रशिक्षण

प्रचार एवं प्रोन्नति गतिविधियाँ
- आगन्तुक
- दूरदर्शन/आकाशवाणी वार्त्ता

कार्मिक
- नियुक्ति
- पदोन्नति

विविध
- संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता
- मानव संसाधन विकास
- गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला
- अन्तःगृह संगोष्ठी

घटनाक्रम
- हिन्दी दिवस
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह
- कौमी एकता दिवस
- राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सदभावना दिवस

In this issue ...

Research Highlights
- Survey of Gujarat for lac insects
- Comparative advantage of Indian lac
- Composite board and nail polish-preliminary findings

Transfer of Technology
- Training conducted

Publicity & Promotional Activities
- Visitors
- TV/Radio talk

Personalia
- Appointment
- Promotions

Miscellanea
- Seminars/workshops attended
- HRD
- Quality Testing Laboratory
- In-house seminars

Events
- Hindi Day
- Vigilance Awareness Week
- National Communal Harmony Day
- National Integration Day

प्रजाति (जैसे कुसमी या रंगीनी), कटाई की ऋतु (जैसे ग्रीष्म या शरद फसल), लाख टहनियों का प्रकार (जैसे अरी या फुंकी) तथा प्रबन्धन, परिवहन एवं खुरचने के दौरान मिली अशुद्धियों पर भी गुणवत्ता निर्भर करती है। प्रसंस्करण के दौरान अच्छी गुणवत्ता की चौरी प्राप्त करने के लिए प्रबंन्धन के तरीके एवं अच्छी पैदावार के पश्चात् समुचित सावधानी आवश्यक है। दक्षतापूर्ण प्रसंस्करण से उच्चतर आय के अतिरिक्त अच्छी गुणवत्ता की चौरी की विदेशों में भी बहुत मांग है।

(डॉ. बंगाली बाबू)

or winter crop), type of lac stick (such as *ari* or *phunki*) and amount of impurities adhered during handling, transport, scrapping etc. Care and follow up of good cultivation and handling practices would augment achieving quality seedlac during processing. There is good market abroad for quality seedlac, besides higher returnes due to efficient processing.

(Dr Bangali Baboo)

अनुसंधान उपलब्धियाँ

RESEARCH ACHIEVEMENTS

गुजरात : लाख कीट के लिए सर्वेक्षण

लाख की खेती की स्थिति एवं प्रकृति में लाख कीट की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करने के लिए दिनांक – 01.10.04 से 15.10.04 तक की अवधि में गुजरात के गांधीनगर, बनासकंठा, गोधरा, सावरकांठा, पंचमहल एवं बड़ोदरा जिलों के कुछ चुने हुए क्षेत्रों में सर्वेक्षण किया गया। वहाँ *अलबिजीया लेबेक, ब्यूटिया मोनोस्पर्मा, फाइकस रेलिजीओसा*, एफ.सिएला एवं *पेल्टोफोरम फेरूजेनीयम* पर लाख कीट का प्रसार देखा गया है। किरमिजी एवं पीले दोनों रंग के लाख कीट देखे गए।

लाख की खेती करने वाले क्षेत्रों को छोड़कर लाख कीटों की उपलब्धता बहुत कम पाई गई। पलाश, *एकेशिया* एवं *रेन ट्री* जैसे लाख परिपालक वृक्षों के पत्तों एवं कोमल टहनियों को वर्ष के सुखे महीनों में चारे के रूप में उपयोग किया जाता है जिससे लाख कीट के प्रसार में बाधा पहुँचती है। भा.ला.अनु.स. में आगे के अध्ययन एवं सरंक्षण के लिए आठ स्थानों से उपलब्ध लाख परिपालकों एवं कीटों के नमूने एकत्र किये गए।

सर्वेक्षण के दौरान भ्रमण किये गए विभिन्न स्थानों के किसानों एवं ग्रामीणों से लाख की खेती के उनके तरीके एवं कठिनाई अगर कोई हो तो, के सम्बन्ध में बातचीत की गई। राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की सीमा वाले कुछ क्षेत्रों में पारम्परिक तरीकों का प्रयोग कर काफी मात्रा में लाख की खेती की जाती है। कुछ जगहों पर अच्छी संभावना वाले क्षेत्र है जहाँ लाख की खेती की शुरूआत की जा सकती है। लाख की खेती के उन्नत तरीकों के प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण से लाख की खेती को बढ़ावा मिल सकता है। किसान लाख की खेती करना चाहते हैं लेकिन बीहन लाख की उपलब्धता कम है एवं इसकी आपूर्ति की आवश्यकता है। लाख व्यवसायी किसानों से लाख संग्रह करते है तथा इसे प.बंगाल एवं छत्तीसगढ़ स्थित प्रसंस्करण उद्योगों को बेचते हैं। फर्नीचर बनाने वाले लघु उद्योग इसे पॉलिश के लिए प्रयोग करते हैं लेकिन उन्हें आवश्यक मात्रा में समुचित गुणवत्ता की लाख नहीं मिल पाती है। गुजरात वन विकास निगम अपने अभिकर्त्ताओं के माध्यम से लाख की कुछ मात्रा एकत्र करता है। उचित मूल्य पर अच्छी गुणवत्ता की लाख की आपूर्ति सुनिश्चित करन के लिए एक तरफ तो लाख उपभोक्ताओं एवं प्रसंस्करण उद्योग से तथा दूसरी तरफ किसानों एवं व्यापारियों के बीच उचित सम्पर्क बनाए जाने की आवश्यकता है।

(केवल कृष्ण शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक)

भारतीय लाख के तुलनात्मक फायदे

लाख उत्पादन करने वाले कुछ देशों जैसे चीन व थाईलैंड की चौरी के भौतिक–रसायन गुणों का प्रारम्भिक तुलनात्मक अध्ययन किया गया। यह देखा गया कि बहाव, बहुलकीकरण की उष्मा, रंग एवं अल्कोहल में घुलनशीलता इत्यादि की दृष्टि से भारतीय उत्पाद की गुणवता बेहतर है।

(अध्यक्ष, ला.प्र.उ.वि. विभाग)

कम्पोजिट बोर्ड एवं नाखून पॉलिश–प्रारम्भिक निष्कर्ष

- ज्वलनशीलता सम्बन्धी परीक्षण से पता चला है कि यष्टि लाख का बंधन–सामग्री के रूप में उपयोग कर अरहर की डंडियों से बना कम्पोजिट बोर्ड उपयुक्त योगात्मक उपादान की समाविष्टिकरण के कारण आसानी से ज्वलनशील नहीं होता है।

Gujarat: Survey for lac insects

Survey of selected areas of Gandhinagar, Banaskantha, Godhara, Sabarkantha, Panchmahal and Vadodara districts of Gujarat was carried out during 1.10.04 to 15.10.04 to know the status of lac culture and availability of lac insects in nature. Lac insects were found infesting *Albizia lebbek, Butea monosperma, Ficus religiosa, F. tsiela and Peltophorum ferrugineum*. Both crimson and yellow lac insects were observed. Excepting those places where lac is cultivated, lac insects were rarely observed in abundance. Leaves and tender twigs of lac host plants like *palas*, *acacia* and raintree are used as fodder during dry months of the year which hinders the natural propagation of the lac insects. The lac host and the insect samples available from eight places have been collected for conservation and further studies at ILRI.

During the survey, interacted with villagers and farmers at the various places visited, to know their system of lac cultivation and difficulties encountered by them, if any. Substantial quantity of lac is cultivated at some of the areas bordering Madhya Pradesh and Rajasthan following traditional methods. Potential areas exist in certain pockets where lac can be introduced. Training and demonstration activities on improved methods of lac cultivation are required to boost the production of lac. Farmers are interested in lac cultivation but Broodlac is in short supply and needs to be supplied to them. Lac traders collect lac from the cultivatiors and sell it to the processing industries located in West Bengal and Chhattisgarh. Small-scale furniture industries use lac for polishing but do not get proper quality lac in required quantity. Gujarat Forest Development Corporation through their agents also collects some quantity of lac. Proper linkages between lac consumers and processing industries on one hand and growers and traders on the other hand need to be developed to ensure good quality lac at reasonable prices.

(KK Sharma, Sr. Sc.)

Comparative advantage of Indian lac

Preliminay comparative study on the physico- chemical properties of seedlac from some lac producing countries like China and Thailand has been made. It was observed that the quality of Indian product is better as regard to flow, heat of polymerization, colour and alcohol solubility, etc.

(Head, LP&PD Division)

Composite Board and Nail Polish-preliminary findings

- The test for ignitability has indicated that the composite board made of *arhar* stick using sticklac as binder is not easily ignitable, on incorporation of suitable additives.

- लगाने पर जल्दी सुखने, कठोरता, चिकनेपन एवं चमक की दृष्टि से लाख आधारित नाखून पॉलिश मिश्रण वाणिज्यिक रूप से उपलब्ध एक उत्पाद से श्रेष्ठ पाया गया है।

(अध्यक्ष, ला.प्र.उ.वि. विभाग)

परियोजना प्रगति का परिवीक्षण एवं गुजरात में प्रशिक्षण का आयोजन

डॉ. केवल कृष्ण शर्मा ने गांधीनगर जाकर वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से भेंट की तथा भा.ला.अनु.सं. एवं गुजरात वन विभाग के बीच सहयोगात्मक परियोजना की प्रगति तथा भविष्य की योजनाओं की चर्चा की। बासन, गांधीनगर में बेर पर संचारित की गई कुसमी लाख कीट की फसल अच्छी अवस्था में थी। गांधीनगर में वन विभाग के रेंजरों को तथा केबडी, छोटा उदयपुर में 98 ग्रामीणों एवं वन विभाग के अधिकारियों को लाख की खेती के उन्नत तरीकों का प्रशिक्षण दिया गया।

- Lac based nail polish compositions have been found superior to a commercially available product as regard to touch dry, hardness, smoothness and gloss.

(Head, LP&PD Division)

Project monitoring and organisation of training at Gujarat

Dr KK Sharma visited Gandhinagar and met with officials of the Forest Department and discussed with them the progress of the collaborative project between ILRI and Gujarat Forest Department and the future course of action. *Kusmi* lac insect inoculated on *ber* at Basan, Gandhinagar was performing very well. Imparted training to the Forest Rangers at Gandhinagar and 98 villagers and forest officials at Kevadi, Chhota Udepur on improved methods of lac cultivation.

प्रचार एवं प्रोत्साहन गतिविधियाँ PUBLICITY AND PROMOTIONAL ACTIVITIES

जिला विज्ञान केन्द्र पुरुलिया में विद्यार्थी, लाख के बारे में जानकारी लेते हुये।

Students learning about lac at District Science Centre, Purulia

जिला विज्ञान केन्द्र, पुरूलिया को प्रदर्शित करने के लिए लाख कीट के नमूने, लाख उत्पाद, चार्ट एवं पोस्टर दिये गए।

प्रदर्शनियों में सहभागिता

संस्थान द्वारा लाख उत्पादन एवं उपयोगिता की प्रोन्नति के लिये निम्नलिखित प्रदर्शनियों में स्टॉल लगाये गये :

- भारतीय अन्तरराष्ट्रीय व्यापार मेला, नई दिल्ली, 14–17 नवम्बर 2004
- कृषि सेवा प्रदर्शन–2004, चण्डीगढ़, 3–6 दिसम्बर, 2004
- ग्रामीण प्रदर्शनी, सिल्ली, राँची, 6 दिसम्बर, 2004

आगंतुक

संस्थान के संग्रहालय का 267, किसानों, 258 छात्रों तथा समाज के सभी वर्गों के 38 अन्य व्यक्तियों ने परिभ्रमण किया

प्रकाशन

- भा.ला.अनु.सं. – एक नजर में

भारतीय अन्तराष्ट्रीय व्यापार मेले में प्रदर्शित लाख के स्टॉल पर दर्शक

Lac insect specimen, lac products and charts and posters were supplied to District Science Centre, Purulia for display in the Centre

Participation Exhbitions

The Institute put stalls for promotion of lac production and utilization at the following exhibitons :

- India International Trade Fair, New Delhi, 14-17 November, 2004
- Agri Services Show Case-2004, Chandigarh, 3-6 December, 2004
- Village Exhibition, Silli, Ranchi, 6th December, 2004.

Visitors

The Institute Museum was visited by 267, farmers, 258 students and 38 other persons from all walks of life.

Publications

- ILRI at a Glance, a folder

Visitors at lac stall in India International Trade Fair, New Delhi

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

रिपोर्ट की अवधि में लाख की खेती, प्रसंस्करण एवं उपयोग से सम्बंधित निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये :

प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रतिभागियों/ छात्रों की संख्या	ग्राम/स्थान	प्रायोजक अभीकरण	अवधि
1. लाख की खेती पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण	12+13	भा.ला.अनु.स.	अल्टरनेटिव फॉर डेवलपमेंट अरकी एवं स्वत:	27.9–1.10.04
	10+1	तदैव	हिन्डालको, रेणुकुट	4–8.10.04
	30+1	तदैव	एटीएमए, जामतारा	1–6.11.04
	10	तदैव	वनवासी सेवा केन्द्र, अदौरा	6–10.12.04
	27+5	तदैव	जिला–कैमूर, बिहार जनमितरम कल्याण समिति रायगढ़ एवं स्वत:	20–24.12.04
	34	तदैव	राज्य वन विभाग धमतरी, छत्तीसगढ़	27.12.04–1.1.05
प्रक्षेत्र प्रशिक्षण	25	गुटुवा, खुंटी	प्रदान	06.10.04
	17	पाटपुर तोरपा	प्रदान	09.10.04
	60	एटीएमए कार्यालय सरखेलडीह, जामतारा	एटीएमए, जामतारा	29.11.04
	46	नारायणपुर, जामतारा	तदैव	29–30.11.04
	43	जाराडीह, अनगड़ा	झारखंड ट्राइवल डेवलपमेंट सोसाइटी	3–4.12.04
	65	सिंगारी, अनगड़ा	तदैव	9–10.12.04
	70	ओबार, अनगड़ा	तदैव	14–15.12.04
	97	पुटादाग	रामकृष्ण मिशन, राँची	16.12.04
एक दिवसीय अभिविन्यास	24	भा.ला.अनु.सं.	वाईएमसीए, धुर्वा	16.12.04
	104	भा.ला.अनु.सं.	एसआरआइ, राँची	18.10.04
	64	भा.ला.अनु.सं.	रामकृष्ण मिशन, राँची	29.10.04
	10	भा.ला.अनु.सं.	वन विभाग, जसपुर	30.10.04
	32	भा.ला.अनु.सं.	रामकृष्ण मिशन, राँची	10.12.04
	33	भा.ला.अनु.सं.	एटीएमए, जामतारा	25.12.04

(विभागाध्यक्ष, प्रौ.ह.विभाग)

आकाशवाणी वार्त्ता

संस्थान ने लाख पर आधारित 13 कड़ियों का कार्यक्रम 'लाखों का लाख' प्रायोजित किया है जिसके अन्तर्गत लाख की खेती, प्रसंस्करण तथा उपयोग के विभिन्न पहलुओं का समावेश किया गया है। आकाशवाणी, राँची ने विषय विषेषज्ञों की निम्नलिखित वार्तायें प्रसारित की हैं:

1. लाख की खेती–स्वरोजगार एवं अतिरिक्त आय का आसान साधन – डॉ. बंगाली बाबू, निदेशक द्वारा 19.11.04 को
2. उन्नत तरीके से लाख की खेती – डॉ. रंगनाथन रमणि, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा 26.11.04 को
3. आधुनिक लाख खेती के लिए पलास वृक्ष का उपयोग – डॉ. अनिल कुमार जायसवाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा 3.12.04 को
4. लाख के शत्रु कीट एवं फसल सुरक्षा के उपाय – डॉ. अजय भट्टाचार्य, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा 10.12.04 को
5. लाख उत्पादको को सरकार से मिलने वाली सुविधायें – डॉ. कौशल किशोर कुमार, विभागाध्यक्ष, प्रौ.ह.वि. द्वारा 17.12.04 को
6. अधिक गर्मी एवं अधिक ठण्ड से लाख फसल की सुरक्षा – डॉ. कौशल किशोर कुमार, विभागाध्यक्ष, प्रौ.ह.वि. द्वारा 24.12.04 को

Radio Talks

The following Radio talks were delivered by subject matter specialists and broadcast by AIR, Ranchi under the Programme, 'Lakhon ka Lakh' sponsored by the Institute wherein 13 episode on different aspects of lac cultivation, processing and utilization have been included to promote lac.

1. Lah ki kheti-Swarozgar avam atirikta aay ka aasan sadhan by Dr Bangali Baboo, Director on 19.11.04
2. Unnat tareeke se lakh ki kheti by Dr R. Ramani, Pr. Sc. on 26.11.04
3. Adhunik lakh kheti ke liye *palas* vriksh ka upyog by Dr AK Jaiswal, Sr. Sc. on 3.12.04
4. Lakh ke shatru keet avam phasal suraksha ke upay by Dr. A Bhattacharya, Pr. Sc. on 10.12.04
5. Lakh utpadakon ko sarkar se milne wali suvidhayen by Dr KK Kumar, Head, TOT on 17.12.04
6. Adhik garmi avam adhik thand se lah phasal ki suraksha by Dr KK Kumar, Head, TOT on 24.12.04

Training Activities

Following training programmes on lac cultivation, processing and utilization were conducted during the period under report :

Training programme	No. of participants/students	Village/Place	Sponsoring agency	Period
1. One week training on lac cultivation	12+13	ILRI	Alternative for Development, Arki & Self	27.9 - 1.10.04
	10+1	ILRI	Hindalco, Renukoot	4 - 8.10.04
	30+1	ILRI	TMA, Jamtara	1 - 6.11.04
	10	ILRI	Vanvasi Seva Kendra, Adhaura,	6 - 10.12.04
	27+5	ILRI	Janmitaram Kalyan Samiti Raigarh & Self	20 - 24.12.04
	34	ILRI	State Forest Deptt, Dhamtari, Chhatisgarh	27.12.04 - 1.1.05
On-Farm	25	Gutuva, Khunti	PRADAN	6.10.04
training	17	Patpur, Torpa	PRADAN	9.10.04
	60	ATMA Office, Sarkheldih, Jamtara	ATMA, Jamtara	29.11.04
	46	Narayanpur, Jamtara	-do-	29 - 30.11.04
	43	Jaradih, Angara	Jharkhand Tribal Dev. Soc.	3 - 4.12.04
	65	Singari, Angara	-do-	9 - 10.12.04
	70	Obar, Angara	-do-	14 - 15.12.04
	97	Putadag	RK Mission, Ranchi	16.12.04
One-day Orientation	24	ILRI	YMCA, Dhurwa	16.12.04
	104	ILRI	SRI, Ranchi	18.10.04
	64	ILRI	RK Mission, Ranchi	29.10.04
	10	ILRI	Forest Dept, Jaspur	30.10.04
	32	ILRI	RK Mission, Ranchi	10.12.04
	33	ILRi	ATMA, Jamtara	25.12.04

(Head, TOT Division)

7. भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान से कृषकों और उद्यमियों को मिलने वाली सुविधायें – डॉ. बंगाली बाबू, निदेशक द्वारा 31.12.04 को
8. डॉ. प्रणय कुमार एवं डॉ. अनिल कुमार जायसवाल ने बीहन लाख की पहचान व कटनी विषय पर आधारित 'फोन–इन' कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

(अध्यक्ष, प्रौ.ह.विभाग)

7. Bhartiya Lakh Anusandhan Sansthan se krishkon aur udhaymion ko milne wali suvidhayen by Dr Bangali Baboo, Director on 31.12.04
8. Dr P. Kumar and Dr A.K. Jaiswal participated in a phone in programme on "Bihan lakh ki Pahchan avam Katni" on 12.10.04

(Head, TOT Division)

वैयक्तिक

नियुक्ति

- डॉ. अनिल कुमार दिनांक – 11.10.04 से अशंकालिक प्राधिकृत चिकित्सक नियुक्त किये गए

प्रोन्नति

- श्री विजय राम, वरीय लिपिक 27.11.04 से सहायक के पद पर प्रोन्नत किये गए।

संस्थान अनुसंधान प्रक्षेत्र में महिला प्रशिक्षणार्थी

PERSONALIA

Appointment

- Dr Anil Kumar appointed as part time A.M.A. w.e.f. 11.10.2004

Promotions

- Shri Vijay Ram, Sr. Clerk promoted to the post of Assistant w.e.f. 27.11.04

Women Trainees at the Institute Research Farm

- श्री कृष्ण कान्याल देवनाथ, कनीय लिपिक 17.11.04 से वरीय लिपिक पद पर प्रोन्नत किये गए।

विविध

- भा.ला.अनु.सं. वेबसाइट एक नवम्बर, 2004 से अद्यतन की गई।
- अक्तूबर एवं नवम्बर 2004 में वरीय अधिकारियों की बैठकें आयोजित की गई।

संगोष्ठी/ कार्यशाला में सहभागिता/ किये गए भ्रमण इत्यादि

निदेशक द्वारा

- भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली में अक्तूबर 28–29,2004 को अभियांत्रिकी विभाग के संस्थानों की परिप्रेक्ष्य योजना 2020 एवं प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण पर निदेशकों एवं परियोजना समन्वयकों की बैठक
- 'नार्म', हैदराबाद में 30 नवम्बर से 03 दिसम्बर 2004 तक कृषि प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण पर निदेशकों की राष्ट्रीय कार्यशाला
- भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली में दिसम्बर 10–11, 2004 को अभियांत्रिकी विभाग के संस्थानों की परिप्रेक्ष्य योजना पर निदेशकों एवं परियोजना समन्वयकों की बैठक
- केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान राँची में 23.11.04 को अनुसंधान परामर्शदात्री समिति की बैठक
- भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में भा.कृ.अनु.प. क्षेत्रीय समिति (संख्या–04) की बैठक दिसम्बर 28–29, 2004.

अन्य

- डॉ. र. रमणी, प्र.वै. ने 29 नवम्बर, 2004 को क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय, राँची द्वारा आयोजित अन्तर माध्यम प्रचार समिति की बैठक में हिस्सा लिया।
- श्री रंजय कुमार सिंह, वैज्ञानिक, लाख उत्पादन विभाग ने इन्डियन एसोशिएसन फॉर सोयल एंड वाटर कन्जर्वेशनिस्ट्स, देहरादून द्वारा दिसम्बर 7–9,2004 को एन ए एस सी परिसर, पूसा कैम्पस, भा.कृ.अनु.सं., नई दिल्ली में "रिसोर्स कन्सर्विंग टेक्नोलौजीज फॉर सोसल अपलिफ्टमेंट" (आर सी टी एस यू – 2004) पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया
- डॉ. कौशल किशोर कुमार, अध्यक्ष, प्रौ. ह. विभाग ने डॉ. बंगाली बाबू, निदेशक के साथ इफको, राँची द्वारा आयोजित किसान विचार गोष्ठी में भाग लिया एवं लाख की खेती एवं प्रारम्भिक प्रसंस्करण के प्रोत्साहन के लिए व्याख्यान दिया।
- डॉ. कौशल किशोर कुमार अध्यक्ष, प्रौ.ह. विभाग ने इफको, राँची द्वारा दुमका और गिरीडीह में 16.12.04 को आयोजित लाख एवं किसान विचार गोष्ठी में भाग लिया

मानव संसाधन विकास

- डॉ. केवल कृष्ण शर्मा, वरीय वैज्ञानिक, लाख उत्पादन विभाग ने इन्डो–इजराइल परियोजना द्वारा भा.कृ.अनु.सं., नई दिल्ली में अक्तूबर 25 से नवम्बर–6, 2004 तक "ग्रीन हाउसेट, नेट हाउसेस एवं टनेल्स" पर आयोजित स्थल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया
- डॉ. शैलेन्द्र कुमार यादव, वैज्ञानिक (वरीय वेतनमान) लाख उत्पादन विभाग ने भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल के मृदा जैविकी विभाग में 16 से 25 नवम्बर 2004 तक "कृषि फसल उत्पादन के लिए कम्पोस्ट की गुणवता का निर्धारण" विषय पर आयोजित संक्षिप्त पाठ्यक्रम में भाग लिया
- डॉ. कौशल किशोर कुमार, अध्यक्ष प्रौ. ह. विभाग ने 'इक्रीसैट', हैदराबाद में क्रीस्प द्वारा 22–29 नवम्बर–2004 के दौरान आयोजित "कैपेसिटी बिल्डिंग एंड इनोवेशन प्रोसेस" पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया

- Shri K.K. Deonath Jr. Clerk promoted to the post of Sr. Clerk w.e.f. 27.11.04

Miscellanea

- ILRI website updated w.e.f. 1st November 2004
- Meetings of Senior Officer's Committee held in Oct. and Nov., 2004

Seminar/workshops attended/ Visits undertaken etc.

By Director

- Meeting of Directors and Project Coordinators on Perspective Plan 2020 of Engg. Division Institutes and Commercialization of Technologies, ICAR, New Delhi, Oct. 28-29, 2004.
- Director's National Workshop on Commercialization of Agricultural Technologies, NAARM, Hyderabad, Nov. 30--Dec. 3, 2004
- Meeting of Directors and Project Coordinators of Engg. Division on Perspective Plan of Engg. Division Institutes, ICAR, New Delhi, Dec.10-11, 2004
- Research Advisory Committee meeting of Central Tasar Research & Training Institute, Ranchi, 23.11.04
- ICAR Regional Committee (No.4) meeting Indian Institute of sugarcane Research, Lucknow Dec. 28-29, 2004

Others

- Dr. R. Ramani, Pr. Sc. attended the meeting of 'Antar Madhayam Prachar Samiti', Jharkhand at Directorate of Regional. Publicity, Ranchi in 29th November, 2004.
- Mr RK Singh, Scientist, Lac Production Division attended National conference on "Resource conserving Technologies for Social upliftment" (RCTSU - 2004) organized by Indian Association of Soil & Water Conservationists, Dehradun during Dec. 7-9, 2004 at NASC Complex, Pusa Campus, IARI, New Delhi.
- Dr KK Kumar, Head, TOT alongwith Dr. Bengali Baboo, Director, participated in Kisan Vichar Gosthi organized by IFFCO, Ranchi and delivered lectures for promoting lac cultivation and primary processing
- Dr KK Kumar, Head, TOT participated in the Lac & Kisan Vichar Gosthi organized by IFFCO Ranchi on 16.12.04 at Dumka & Giridih.

HRD

- Dr KK Sharma, Sr. Sc. Lac Production Division attended on the Spot training Course on 'Greenhouses, Net-houses and Tunnels' organized by Indo-Israel Project, IARI, New Delhi during October 25 to November 6, 2004.
- Dr S.K. Yadav, Scientist (SS), Lac Production Division attended a short course on Assessment of compost quality for Agriculture Crop Production during 16th to 25th Nov., 2004 at Division of Soil Biology, Indian Institute of Soil Science, Bhopal.
- Dr KK Kumar, Head, TOT participated in the Workshop on Capacity Building and Innovation process during 22-29 Nov 2004 organized by CRISP at ICRISAT, Hyderabad

गुणवता परीक्षण प्रयोगशाला

प्रतिवेदन की अवधि में उद्यमियों/ व्यापारिक घरानों/ संस्थान के विभिन्न विभागों द्वारा भेजे गए 50 नमूनों के 142 परीक्षण किये गए। रु. 11836 (ग्यारह हजार आठ सौ छत्तीस रुपये) मात्र का राजस्व अर्जित किया गया।

अन्त: गृह संगोष्ठी

डॉ. बी.पी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा 4.12.04 को ''सम्मिलित भूमि उपयोग प्रणाली में कृषि वानिकी की प्रथायें तथा लाख परिपालकों का समायोजन विषय पर।

Quality Testing Laboratory

The laboratory carried out 142 tests on 50 samples received from enterpreneurs/business houses/different Divisions of the Institute during the period under report. An amount of Rs11,836 (Rupees Eleven thousand eight hundred thirty six) was earned as revenue.

In-house seminars

'Sammilit bhumi upyog pranali mein krishi vaniki ki prathayen tatha lakh paripalakon ka smayojan by Dr BP Singh, Pr. Sc. on 4.12.

घटनाक्रम

EVENTS

हिन्दी चेतना मास समापन समारोह एवं हिन्दी दिवस का आयोजन

संस्थान परिसर में दिनांक 6.10.04 को हिन्दी चेतना मास समापन एवं ''हिन्दी दिवस समारोह'' का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि संत जेवियर महाविद्यालय, राँची के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. कमल कुमार बोस ने हिन्दी की सार्वभौमिकता पर ध्यान आकृष्ट करते हुए इसकी सरलता, व्यापकता और देश की अखंडता के लिए इसके प्रयोग पर विशद चर्चा की। संस्थान के निदेशक डॉ. बंगाली बाबू ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि अहिन्दी भाषियों के लिए भी अंग्रेजी की अपेक्षा हिन्दी सीखना ज्यादा आसान है। देश के हर भाग के लोग हिन्दी समझते हैं। जहाँ तक हिन्दी शब्दावली का सवाल है, हमें इस मामले में व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा। अन्य भारतीय भाषाओं के प्रचलित शब्दों को भी अंगीकार करना होगा। आज हिन्दी दिवस के अवसर पर हमें आत्मचिंतन और आत्मविश्लेषण करना होगा कि हम कार्यरूप में हिन्दी का व्यवहार इस रूप में करें ताकि वह विश्वस्तरीय मंच पर महिमा मंडित हो सके। उन्होंने संस्थान के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की कि अपने स्तर पर राजभाषा हिन्दी का सर्वाधिक प्रयोग करें। राँची विश्वविद्यालय की वयोवृद्ध हिन्दी साहित्यसेवी डॉ. श्रीमती शारदा श्रीवास्तव ने विशिष्ट अतिथि पद से बोलते हुए कहा कि वे विदेश यात्रा के दौरान विदेशियों के हिन्दी प्रेम से बेहद प्रभावित रही है। हिन्दी में अपार क्षमता है, इसे अपना कर हमें गौरवान्वित होना चाहिए।

संस्थान में राजभाषा हिन्दी की प्रगति की रिर्पोट प्रस्तुत करते हुए सहायक निदेशक (रा.भा.) श्री लक्ष्मी कान्त ने सूचित किया कि संस्थान में हिन्दी के प्रयोग का गौरवमय इतिहास रहा है। राजभाषा अधिनियम पारित होने के बहुत पहले से ही संस्थान में हिन्दी एवं प्रादेशिक भाषाओं में अनुसंधान पत्रक एवं बुलेटिन प्रकाशित हुए हैं। समय के अन्तराल में प्रशासकीय कार्यों एवं वैज्ञानिक क्षेत्र में भी हिन्दी का प्रयोग सराहनीय ढंग से बढ़ा है। इस अवसर पर हिन्दी पुस्तकों की एक मनोरम प्रर्दशनी लगाई गई तथा विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। सभा संचालन वरीय अनुवादक डॉ. अंजेश कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन समारोह समिति के अध्यक्ष डॉ. रवीन्द्र नाथ मांझी ने किया।

संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक

संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक का आयोजन डॉ. बंगाली बाबू निदेशक की अध्यक्षता में दिनांक 20.10.2004 को निदेशक कक्ष में किया गया। बैठक में मुख्य रूप से निम्नलिखित निर्णय लिए गए :– हिन्दी में वेबसाइट तैयार करना, संसदीय राजभाषा समिति को दिए गए आश्वसनों की पूर्ति हेतु प्रयास, संस्थान के न्यूज लेटर का द्विभाषी रूप में प्रकाशन, हिन्दी पर्याय लिखने हेतु बोर्ड का क्रय एवं हिन्दी एंकाश के लिये कम्प्यूटर का उन्यनीकरण।

Concluding Function of "Hindi Awareness Month" and Celebration of Hindi Day

Concluding function of Hindi Awareness month and celebration of Hindi Day was organized in the Institute premises on 6th October with a great zeal and enthusiasm. The chief guest of the function, Dr Kamal Kumar Bose, Head, Hindi Department of St. Xavier College, Ranchi while drawing attention towards omnipresence of Hindi, described broadly its simplicity, vastness and its role in integration of the country. Dr Bangali Baboo, Director of the Institute expressed in his welcome address that learning Hindi is much easier than learning English even for non-Hindi speaking persons. Hindi is understood by the people in all parts of the country. So far as the question of Hindi vocabulary is concerned, a broad view should be adopted in this regard. Words in vogue from other Indian languages should also be accepted. Today on the occasion of Hindi Day we have to do introspection and self-analysis to use Hindi in such a way that it is glorified at the world stage. He appealed to all the officers and staff for using Hindi at every level. Dr (Mrs) Sharda Srivastava, guest of honour in the function expressed that she was overwhelmed by the love for Hindi on her foreign trips. She said that Hindi had unlimited capacity, we should feel proud to use Hindi.

Shri Lakshmi Kant, Assistant Director (O.L.) while presenting progress report of Hindi in the Institute informed that Institute had glorious history in respect of use of Hindi. Research pamphlets and Bulletins have been published in Hindi and other regional languages even before implementation of official Language Act. In due course, use of Hindi has increased tremendously in the field of Administration and Scientific fields. An eye catching exhibition of Hindi books was also organised and prizes were distributed among winners of Hindi competitions. Dr Anjesh Kumar conducted the function and Vote of thanks was proposed by Dr Rabindra Nath Majee, Chairman of the Celebrating Committee.

Meeting of Institute Official Languge Implementation Committee

Quarterly meeting of Institute Official Language Implementation Committee was held on 20.10.2004 under the chairmanship of Dr Bangali Baboo, Director in his chamber. The following important decisions were made in the meeting: Web hoisting in Hindi, Action for fulfilling assurance given to parliamentary committee, publication of Newsletter in bilingual form, purchase of white board for writing Hindi synonyms of English words and upgradation of Computer for Hindi Cell.

Market Watch

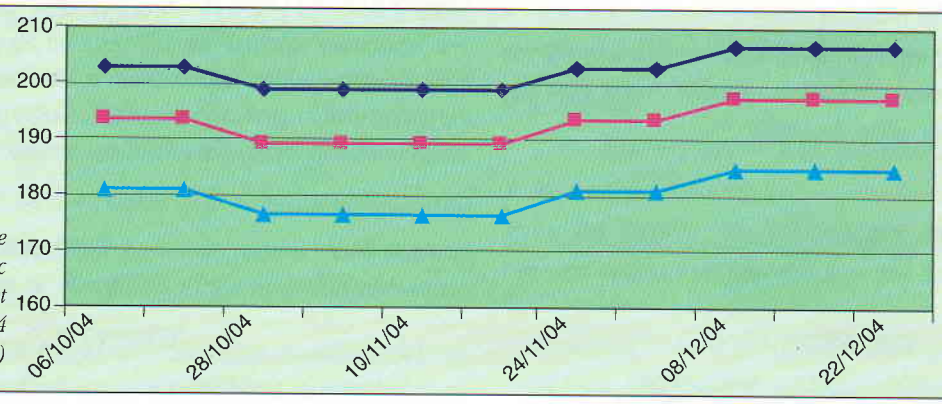

Prices of representative grades of lac at Kolkata market during Oct.-Dec., 2004 (Source : SEPC, Kolkata)

राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सदभावना दिवस

राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सदभावना दिवस का आयोजन दिनांक 25.11.04 को आयोजित किया गया जिसमें संस्थान के निदेशक डॉ. बंगाली बाबू ने इस दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए संस्थान के सदस्यों के बीच भाईचारे की जड़ को मजबूत करने की अपील की।

कौमी एकता सप्ताह

संस्थान के प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण विभाग के व्याख्यान कक्ष में दिनांक 27.11.04 को ''कौमी एकता सप्ताह'' समापन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. बंगाली बाबू ने देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की चर्चा करते हुए कहा कि विविधता में एकता हमारे देश की विशेषता है क्योंकि विश्व में शायद ही कोई ऐसा देश है जिसमें धर्म, समुदाय, नस्ल, जलवायु एवं सांस्कृतिक विभिन्नता के बावजूद भी इतनी एकता है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापन का आयोजन दिनांक 5.10.2004 को किया गया जिसमें डॉ. प्रणय कुमार विभागाध्यक्ष, लाख उत्पादन विभाग ने 'अनुशासन संबंधी वार्ता' डा. निरंजन प्रसाद, विभागाध्यक्ष, लाख प्रसंस्करण एवं उत्पाद विकास विभाग ने ''सतर्कता की आवश्यकता'', डॉ. कौशल किशोर कुमार, विभागाध्यक्ष, प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण विभाग ने 'सतर्कता के विभिन्न आयाम', श्री कवल किशोर, तकनीकी अधिकारी ने 'सतर्कता जागरूकता' संबंधी व्याख्यान तथा श्री लक्ष्मी कान्त, सहायक निदेशक, (रा.भा.) ने 'पेट्रोल, डीजल एवं एल.पी.जी. गैस सीलेन्डर क्रेताओं के अधिकारों एवं संबंधित सर्तकता' विषय पर व्याख्यान दिए।

National Communal Harmony Day

National Communal Harmony Day was organised on 25.11.04. Director of the Institute, Dr. Bangali Baboo expressed his views on importance of the Day and appealed for strengthening fraternity among the institute staff.

National Integration Week

Concluding function of National Integration Week was organised on 27.11.2004 in the lecture hall of Transfer of Technology Division. Dr. Bangali Baboo, Director of the Institute expressed his views as chairman of the function on rich cultural heritage of the country and said, "Unity among diversity is unique to our country, wherein there is unity despite co-existence of different religions, communities, creeds, climate and cultures."

Vigilance Awareners Week

The concluding function of Vigilance Awareness Week was organised on November 5, 2004. Addressing the function Dr. Pranay Kumar, Head, Lac Production Division spoke on 'Discipline', Dr. N. Prasad, Head, Lac Processing and Product Development Division on 'Need of Vigilance', Dr. K. K. Kumar, Head, Transfer of Technology Division on 'Different aspects of vigilance', Mr. K. K. Prasad, T.O. on 'Vigilance awareness' and Mr. Laxmikant, Assistant Director (OL) on 'Rights and related awareness of petrol, Kerosene oil, Diesel & LPG consumers.

भूल सुधार

भा.ला.अनु.सं. – लाख समाचार पत्रिका अंक 8 (3) में प्रकाशित लेख, 'लाख पर आधारित आशाजनक प्रौद्योगिकी– विद्युतरोधी वार्निश एवं खाद्य पदार्थों के डिब्बों के लिये लैकर' के लेखक डॉ. द.न. गोस्वामी, प्र.वै. एवं डॉ. प.च. सरकार, व.वै., ला.प्र.उ.वि. विभाग है। छपते समय लेखकों के नाम गलती से छूट गये थे। भूल के लिये खेद है

– सम्पादक।

Erratum

The article, 'Promising Technologies on lac: Insulating varnishes and Can coatings published in 8(3) issue of ILRI-lac Newsletter was authored by Dr DN Goswami, Pr. Sc. and Dr PC Sarkar, Sr. Sc., LPPD Division. The names of authors were inadvertantly omitted while printing. Error is regretted

- Editors

संकलन, सम्पादन एवं प्रस्तुतिकरण
केवल कृष्ण शर्मा
र. रमणि
तकनीकी सहायता
प.अ. अन्सारी
ल.च.न. शाहदेव
छाया चित्र
र.प. श्रीवास्तव
अनुवाद
अन्जेश कुमार
लक्ष्मी कान्त
प्रकाशन
डॉ. बंगाली बाबू
निदेशक
भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान
नामकुम, राँची-834010, झारखण्ड
दूरभाष : 0651-2260117, 2261156 (निदेशक)
फैक्स : 0651-2260202
ई-मेल : ilri@sancharnet.in
lac@ilri.ernet.in
वेब साईट : www.icar.org.in/ilri/default.htm

Compiled, edited and produced by
KK Sharma, Sr. Sc.
R Ramani, Pr. Sc.
Technical Assistance
PA Ansari
LCN Shahdeo
Translation
Anjesh Kumar
Lakshmi Kant
Photo
RP Srivastava
Published by
Dr Bangali Baboo
Director
Indian Lac Research Institute
Namkum, Ranchi - 834 010, Jharkhand
Phone: 0651-2260117, 2261156 (Director)
Fax: 0651-2260202
E-mail:ilri@sancharnet.in
lac@ilri.ernet.in
Visit us at: **www.icar.org.in/ilri/default.htm**

*Printed at : **Kailash Paper Conversion (P) Ltd.**, Purulia Road, Ranchi. Ph. : 2532251, 2532087*

360/03/05